भ्रष्टाचार सार्वजनिक जीवन में प्लेग की तरह: सोनिया

नई-दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आज कहा कि भ्रष्टाचार सार्वजनिक जीवन में प्लेग की तरह है और संप्रग सरकार इसका खात्मा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सोनिया ने यहां युवा कांग्रेस के सम्मेलन में कहा कि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार भ्रष्टाचार से निपटने के लिए कई अहम विधेयकों पर काम कर रही है। उनका मानना है कि राजनीतिक व्यवस्था के साथ-साथ न्यायिक व्यवस्था और चुनाव प्रणाली में सुधार लाये जाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार से जुड़े मुकदमों को भी तेजी से निपटाया जाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'पिछले कुछ महीनों में भ्रष्टाचार को लेकर काफी चर्चा हो रही है। हमारा मानना है कि भ्रष्टाचार सार्वजनिक जीवन में प्लेग की तरह है। हम इसे उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारे उठाये कदमों से ही हमारी प्रतिबद्धता की मजबूती जाहिर होती है। हमारा मानना है कि सूचना का अधिकार भ्रष्टाचार से निपटने का एक सशक्त हथियार है। साथ ही प्रभावी लोकपाल इसमें अहम भूमिका निभायेगा।'

सोनिया ने कहा कि पिछले सात सालों में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में संप्रग सरकार ने आम आदमी की मदद के लिए मनरेगा, शिक्षा का अधिकार और विशेष पहचान संख्या (यूआईडी) जैसे कई कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में खाद्य सुरक्षा कानून पारित कराया जायेगा। उन्होंने युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि सरकार के इस कदम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आप लोगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि आप पर किया गया विश्वास व्यर्थ ना जाये। संप्रग अध्यक्ष ने कहा कि आप लोगों को सामाजिक बुराईयों जैसे दहेज और भ्रूण हत्या के खिलाफ संघर्ष करना होगा। कांग्रेस पार्टी का सेवा और बलिदान का इतिहास रहा है और हम आगे भी लोगों की इसी तरह सेवा करते रहेंगे। सोनिया ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने १८ वर्ष के युवाओं को मतदान का अधिकार दिलाकर युवाओं को बड़ा हक दिलाया। वर्तमान दौर में प्रतिभाशाली युवाओं को आगे लाकर राजनीति से जोड़ने की जरूरत है। युवा कांग्रेस नेताओं से उन्होंने कहा कि आपसे प्रेरित होकर देश का युवा वर्ग आगे आयेगा।

देश की आर्थिक वृद्धि दर घटकर ६.९ प्र.श. पर आई

नई-दिल्ली: विनिर्माण, कृषि तथा खनन क्षेत्र के खराब प्रदर्शन के चलते देश की आर्थिक वृद्धि दर २०११-१२ की दूसरी तिमाही में घटकर ६.९ प्रतिशत रह गई जिसे अर्थव्यवस्था में नरमी का संकेत माना जा सकता है। गत वर्ष समान तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर ८.४ प्रतिशत रही थी। इसी तरह मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर ७.३ प्रतिशत रह गई जो गत वर्ष समान अवधि में ८.६ प्रतिशत रही थी। यहां आज जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार ३० सितंबर २०११ को समाप्त तीन महीनों के दौरान विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर २.७ प्रतिशत रह गई जो २०१०-११ की समान अवधि में ७.८ प्रतिशत थी। इसी तरह आलोच्य तिमाही में खेतीबाड़ी क्षेत्र का प्रदर्शन भी खराब रहा और इसकी वृद्धि दर घटकर ३.२ प्रतिशत रह गई जो पिछले साल ५.४ प्रतिशत थी। खनन व उत्खनन क्षेत्र की वृद्धि दर आलोच्य तिमाही में २.९ प्रतिशत रही जो पिछले साल जुलाई - सितंबर तिमाही में आठ प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार निर्माण क्षेत्र की वृद्धि इस अवधि में घटकर ४.३ प्रतिशत रह गई जो गत वर्ष इसी अवधि में ६.७ प्रतिशत थी।

इसी तरह व्यापार, होटल, परिवहन तथा संचार खंडों की वृद्धि दर दूसरी तिमाही में ९.९ प्रतिशत रही जो गत वर्ष १०.२ प्रतिशत थी। बिजली, गैस, जलापूर्ति क्षेत्र ने हालांकि जुलाई -सितंबर अवधि में अच्छा प्रदर्शन किया और इनकी वृद्धि दर ९.८ प्रतिशत रही जो पिछले साल २.८ प्रतिशत थी। इसके अलावा देश की अर्थव्यवस्था के लिए उम्मीद की किरण बीमा व रीयल इस्टेट सहित सेवा क्षेत्र से आई। इस क्षेत्र ने सितंबर को समाप्त तिमाही में १०.५ प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की जो पिछले साल १० प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने २०११-१२ में देश की अर्थ व्यवस्था की वृद्धि दर ७.६ प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। २०१०-११ में वृद्धि दर ८.५ प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष की पहली छमाही में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर ४.९ प्रतिशत, खनन-उत्खनन क्षेत्र की वृद्धि दर ०.५ प्रतिशत तथा कृषि, वानिकी व मत्स्य क्षेत्र की वृद्धि दर ३.६ प्रतिशत रही। पिछले साल की समान अवधि में ये दरें क्रमश ९.१ प्रतिशत, ७.७ प्रतिशत तथा ३.७ प्रतिशत रही थी।

एफडीआई मुद्दे पर कांग्रेस कोर ग्रुप बैठक बेनतीजा

नई-दिल्ली: खुदरा व्यापार के क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दिरो जाने के मुद्दे पर संसद में बने गतिरोध के बीच कांग्रेस कोर ग्रुप ने इस मुद्दे पर विचार विमर्श किया लेकिन को फैसला नहीं हो सका। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निवास पर करीब एक घंटे चली बैठक के बाद जानकार सूत्रों ने कहा, 'कोई फैसला नहीं।' इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी हिस्सा लिया। बैठक में वित्त मंत्री प्रणव मुखर्जी, रक्षा मंत्री एके एंटनी, गृह मंत्री पी चिदम्बरम और कांग्रेस अध्राक्ष के राजनीतिक सलाहकार अहमद पटेल भी मौजूद थे।

वाणिज्य मंत्री आनंद शर्मा को भी बैठक में रिटेल क्षेत्र में ५१ फीसदी एफडीआई की अनुमति देने के फैसले के बारे में जानकारी देने के लिए बुलाया गया था। एफडीआई के इस फैसले को लेकर संप्रग के दो प्रमुख घटक तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक कड़ी आपत्ति जता रहे हैं। समझा जाता है कि बैठक में विभिन्न विकल्पों पर विचार किया गया जिनमें एफडीआ मुद्दे पर कार्य स्थगन प्रस्ताव स्वीकार कर इस पर चर्चा कराने का विकल्प भी शामिल था। वैसी स्थिति में विरोध कर रहे सहयोगी दलों को कार्रा स्थगन प्रस्ताव का विरोध करने के लिए मनाने की कोशिश की जाएगी। फिलहाल सरकार अपने इस रुख पर कायम है कि एफडीआई का फैसला जल्दबाजी में नहीं लिरा गया है और अनेक फायदों के साथ-साथ इससे किसानों और उपभोक्ताओं सहित विभिन्न वर्गों को फायदा होगा।

गौरतलब है कि एफडीआ के मुद्दे को लेकर विपक्ष और साथ ही संप्रग के दो सहयोगी तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक के विरोध के कारण संसद के दोनों सदनों में आज लगातार सातवें दिन भी कामकाज ठप रहा।

माइकल जैक्सन के डॉक्टर को चार साल की सजा

न्यूयार्क : माइकल जैक्सन के निजी फीजीशिरान कॉनरैड मुर्रे को पॉप गायक की मौत के मामले में भूमिका के लिए चार साल की सजा सुनाई गईहै। न्यायाधीश माइकल पास्टर ने मुर्रे को मंगलवार को अधिकतम सजा सुनाते हुए कहा कि इस मामले के सबूत डॉक्टर की ओर से 'लगातार झूठ और धोखे का नमूना' पेश करते हैं। मुर्रे को इस माह की शुरुआत में गैर इरादतन हत्या का दोषी करार दिया गया था। डॉक्टर को सजा सुनाए जाते समय अदालत में जैक्सन की मां और कई लोग मौजूद थे। डॉ. मुर्रे की मां और मित्र भी मौजूद थे। बाद में जैक्सन परिवार ने एक बयान में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मुर्रे की सजा अन्य फीजीशियनों के लिए एक सबक होगी कि उन्हें अपनी लापरवाही से किसी की जान लेने का हक नहीं है।

लॉस एंजिलिस काउंटी के शेरिफ के प्रवक्ता स्टीव वाइटमोर ने कहा कि अच्छे व्यवहार के लिए मुर्रे की सजा संभवत: अपने आप आधी हो सकती है। सजा सुनाते हुए न्यायाधीश ने कहा कि मुर्रे ने जैक्सन का इस्तेमाल 'चिकित्सकीय प्रयोग' की तरह किया। उन्होंने करीब ३० मिनट तक स्पष्टीकरण दिया कि वह क्यों मुर्रे को अधिकतम सजा सुना रहे हैं जबकि डॉक्टर तकनीकी आधार पर परिवीक्षा का हकदार है।

दिवंगत पॉप गायक की मां कैथरीन जैक्सन ने सजा सुनाए जाने के बाद कहा, 'किसी की जिंदगी लेने के लिए चार साल काफी नहीं हैं। इससे वह वापस तो नहीं आ सकता लेकिन कम से कम उसे (मुर्रे को) अधिकतम सजा तो मिली।' सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश माइकल पेस्टर ने मुर्रे को जैक्सन की देखभाल में 'विश्वास का गंभीर उल्लंघन' करने के लिए फटकार लगा और कहा कि प्रोपोफॉल की अत्यधिक खुराक का इस्तेमाल एक 'चिकित्सकीय पागलपन' है।

जेरमाइन जैक्सन ने कहा कि अपने परिवार में और खास कर संगीत में उसे अपनेभाई माइकल की कमी बहुत अखरती है। उसने कहा 'सौ साल भी पर्याप्त नहीं है, इससे जीवन की वापसी नहीं हो सकती।' सजा सुनाए जाने के बाद कैथरीन जैक्सन ने उप जिला अटॉर्नी डेविड वालग्रेन से मुलाकात की और रोते हुए उनका आभार व्यक्त किया तथा कहा कि उन्होंने माइकल के बच्चों को न्याय दिया। उन्होंने कहा कि वह जल्द से जल्द घर जाना चाहती हैं ताकि जैक्सन के बच्चों प्रिंस, पेरिस और ब्लैंकेट को बता सकें कि मुर्रे को दोषी ठहराया गया और वह अब जेल में है। सजा सुनाते हुए वालग्रेन ने कहा कि कॉनरैड मुर्रे की वजह से माइकल जैक्सन के तीनों बच्चे पिता के प्यार से हमेशा हमेशा के लिए वंचित हो गए।

आर्थिक घोटाले और भ्रष्टाचार की जानकारी दे

सेन्सर टाइन्स में सम्पूर्ण भारत में भेजा जाता है और इसमें प्रकाशित किये गये आर्थिक घोटालों पर विभिन्न विभागों के द्वारा कार्यवाही की जा रही है तथा इस हेतु सम्पूर्ण भारत वर्ष से भ्रष्टाचार संबंधी शिकायते मय दस्तावेजी प्रमाण के साथ लोगों द्वारा भेजी जा रही है। हम इन शिकायतों को अपने स्तर पर उसकी जाँच करते है और यदि वे घटना सत्य पाई जाती है तो हम जनहित में उन आर्थिक घोटालों को समाचार पत्र के माध्यम से प्रकाशित करते है। सेन्सर टाइन्स पाठकों से अनुरोध है कि आपकी जानकारी में ऐसा कोई आर्थिक घोटाला आता है तो हमें उसके दस्तावेजी प्रमाण के साथ हमें भेजे और हमारे देश से भ्रष्टाचार को समाप्त करने में हमारी मदद करे। हम आपको विश्वास दिलाते है कि हम आपका नाम गुप्त रखेगे। आओ हम और आप मिलकर हमारे देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करने में अपना सहयोग दे.क्योंकि मेरा ऐसा मानना है कि कोशिश के पेड़ों पर ही कामयाबी के फल मिलते है और यदि हम यही फल हमारे देश की उन्नती के लिये व हमारे समाज के लिये प्राप्त करेगे तो यकिन मानिये एक दिन पुन: हमारा देश सोने की चिड़िया कहलायेगा. -प्रधान संपादक

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - रविकुमार पोत्दार इन्दौर ७२/७४ , सूयश विहार,भमोरी दुबे,फारचुन लैण्डमार्क के पीछे, इन्दौर से प्रकाशित एवं आर्टटेक ग्राफिक्स, 864/9, नेहरू नगर, इन्दौर म.प्र. से मुद्रीत
सम्पादक रविकुमार पोत्दार .आर.एन.आई. नं. १२७८२/२००३ e-mail- censortimes@ hotmail.com किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र सिर्फ इन्दौर ही रहेगा। मोबाईल-०९९२६६-३१७०७